भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1906
शुक्रवार, 12 फरवरी, 2021 को उत्तर दिए जाने के लिए

भारत मौसम विभाग की आंकडा संग्रहण क्षमता

1906. श्री गिरीश भालचन्द्र बापट:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या पिछले पाँच वर्षों के दौरान चक्रवात और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार आईएमडी की आंकडा संग्रहण क्षमता में सुधार करने के लिए कदम उठाने की योजना बना रही है, ताकि यह प्राकृतिक घटनाओं की अधिक सटीकता के साथ भविष्यवाणी कर सके;और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(डॉ. हर्ष वर्धन)

(क) जी, हां। 1891-2017 के दौरान के आंकड़ों के आधार पर, एक वर्ष में उत्तरी हिंद महासागर में औसतन 5 चक्रवात, बंगाल की खाड़ी में 4 चक्रवात, तथा अरब महासागर में 1 चक्रवात विकसित होते हैं। तथापि, हाल-फिलहाल में, उत्तरी हिंद महासागर में चक्रवात बनने की आवृत्ति में वृद्धि देखी गई है। साथ ही अध्ययनों में हाल के वर्षों में अरब महासागर में प्रचण्ड चक्रवातों की आवृत्ति में वृद्धि देखी गई है।

वर्ष 2016 से 2020 के दौरान उत्तरी हिंद महासागर में निर्मित चक्रवातों का विवरण इस प्रकार है:

वर्ष	चक्रवात की आवृत्ति		चक्रवातों की कुल संख्या	प्रचण्ड चक्रवातों या उससे अधिक तीव्रता वाले
	अरब महासागर	बंगाल की खाड़ी		
2016	0	4	4	1
2017	1	2	3	2
2018	3	4	7	6
2019	5	3	8	6
2020	2	3	5	5

वर्ष 2019 में अरब महासागर में 5 चक्रवात आए, जबकि 1902 के पिछले रिकॉर्ड के अनुसार 1 चक्रवात प्रति वर्ष आते थे, जो कि अरब महासागर पर उच्चतम वार्षिक चक्रवात आवृत्ति है।साथ ही वर्ष 2019 में अरब महासागर में अधिक तीव्र चक्रवात बनते हुए देखे गए हैं।

देश में हाल-फिलहाल में प्रचण्ड से लेकर अति प्रचण्ड वर्षा के कारण होने वाली बाढ़ की स्थिति देखी गई है। पिछले पांच वर्षों, अर्थात वर्ष 2016 से 2020 के बीच में बहुत भारी और अत्यधिक भारी वर्षा की रिपोर्ट करने वाले स्टेशनों का विवरण इस प्रकार है:

वर्षा	एस.डब्ल्यू. मॉनसून मौसम (जून से सितम्बर) के दौरान रिपोर्ट करने वाले स्टेशनों का विवरण	
	बहुत भारी वर्षा (64.5 मिमी से 114.5 मिमी)	अत्यधिक भारी वर्षा (2.4.5 मिमी या अधिक)
2016	1864	226
2017	1824	261
2018	2181	321
2019	3056	554
2020	1912	341

(ख) एवं (ग) हां, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग स्वचालित मौसम केन्द्र संस्थापित करके डेटा संकलन क्षमता बढ़ाने की योजना बना रहा है।

- वर्ष 2021-22 के दौरान भारत में 400 स्वचालित मौसम केन्द्र संस्थापित किए जाएंगे।
- 200 कृषि-एडब्ल्यूएस स्थापित किए जा रहे हैं, तथा वर्ष 2021-22 के दौरान आरम्भ किए जाएंगे।

*****